IMIDACLOPRID 17.8% SL (SYSTEMIC INSECTICIDE)

Caution : Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet.

Imidacloprid 17.8% SL is systemic insecticide containing imidacloprid active ingredient balance auxiliaries and inert material. It is used as foliar spray for the control of sucking and some other insects in different crops.

Crop(S)	Common name of pest	Dosage/HA. A.I. (g)	Dilution formulation (gm)	Waiting period in water (Ltr)	between last spray to harvest (in days)	Re-entry after each Application (In Hours)
Cotton	Aphid, whitefly, Jassids, Thrips	0.020-0.025	0.10-0.125	500-700	40	
Paddy	BPH, WBPH, GLH	0.020-0.025	0.10-0.125	500-700	40	
Sugarcane	Termite	0.07	0.35	1875	45	
Mango	Hopper	0.4-0.8g /tree	2-4ml/tree	10	45	
Sun-flower	Jassid, Thrips, Whitefly	0.02	0.1	500	30	
Tomato	Whitefly	0.03-0.025	0.10-0.125	500-700	40	
Okra	Aphid, Jassid, Thrips	0.02	0.1	500	3	
Citrus	Leaf miner psylla	0.01%	0.05%	-	15	
Chill	Aphid, Jassid, Thrips	0.025-0.05	0.10-0.125	500	3	
Groundnut	Aphid jassid	0.02-0.025	0.1-0.125	500	40	
Grapes	Flea beetle	0.06-0.08	300-400 ml	1000	32	

Direction of Use : Plant Protection Equipment: Hand operated Knapsack sprayer or foot sprayer is recommended and tractor mounted sprayer can also be used.

Precaution: 1. Keep away from foodstuffs, empty foodstuff containers and animals food. 2. Avoid contact with mouth, eyes and skin. 3. Avoid inhalation the spray mist. Spray in the direction of wind. 4. Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying. 5. Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying. 6. Wear full protective clothing while mixing and spraying.

Phytotoxicity: The product is not phytotoxic when used as per field recommendation.

Symptoms of Poisoning: Apathy, Myotonia, tremor, difficult breathing, myospasms may occur.

First Aid: 1. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomitus is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious. 2. If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water. 3. If eyes are contaminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to 15 minutes. 4. If inhaled, remove the patient to fresh air.

Antidote: No specific antidote is known, Treat Symptomatically.

Disposal of used container: 1. The package shall be broken and buried away from habitation. 2. The used packages shall not be left outsides to prevent their re-use. 3. Package or surplus material and washing should be disposed off in safe manner. So as to prevent environment of water pollution.

Storage conditions: 1. The packages canting the insecticides shall be stored in separate rooms or premises. Away from the rooms or premises used for storing other articles or shall be kept in separate almirah under lack and key depending upon the quantity and nature of the insecticides. 2. The rooms or premises meant for storing the insecticides shall be well built, well lit, dry well ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with water vapour.

Chemical Composition:

Imidacloprid a.i.	: 17.800 % w/w
Non ionic emulsifier :	
Ethoxylated Alkyl, Arly phenol Derivative	: 2.500 % w/w
Polyvinyl pyrrolidone Copolymer	: 1.000 % w/w
Dimethyl Sulfoxide	:38.400 % w/w
N-Met hyl Pyrrolidone	:Q.S. to make w/w
Total	: 100.00 % w/w

इमिडैक्लोप्रिड १७.८ प्रतिशम एस. एल. (अंतप्रवाही कीटनाशक)

सावधानी : लेबल/पत्रिका पर निर्देशित फसलों के अलावा अन्य फसलों पर प्रयोग करना मना है ।

इस कीटनाशक का उपयोग विभिन्न प्रकार के चूसक कीटों व अन्य महत्वपूर्ण कीटों की रोकथाम के लिए कपास, धान, गन्ना, अंगुर और आम कि फसलों पर निर्भर किया जाता है।

उपयोग :

फसल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा स..तत्व (ग्राम)	संरचना (मिली)	पानी की मात्रा (लीटर)	अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिन)
कपास	माहू, तेला, चुरदा, सफेद मक्खी	०.०२०–०.०२५	०.१०–०.१२५	५००–७००	४०
धान	भुरे पौधे के फुदके सफेद पीठ पौधे के फुदक हरी पत्ती के फुदके	०.०२०–०.०२५	०.१०–०.१२५	५००–७००	४०
गन्ना	दीमक	०.७७	०.३५	१८७५	४५
आम	पत्ते कर टिडडा	०.४–०.८ ग्रा/पेड़	२–१० ग्रा/पेड़	१०	४५
सूरज्मुखी	तेला, चूरदा, सफेद मक्खी	०.२०	०.१	५००	३०
भिंडी	माहू, तेला, चूरदा	०.२०	०.१	५००	३०
नींबू	लीफ माइनर, सिल्ला	०.०१%	०.०५%	पेड़ के आकार एवं पौधा संरक्षण यंत्र के आधार पर	
मूंगफली	माहू, तेला	०.०२–०.०२५	०.१–०.१२५	५००	४०
अंगुर	फलीया बीटल	०.०६–०.०८	३००–४०० मि.ली.	१०००	३२
आङुर	फ्लीब्लिल	०.०६–०.०८	३००–४०० मिलि	१०००	३२

उपयोग के निर्देश : हस्त चलित नैपसेक स्प्रेयर और पैर से चलने वाला नैपसेक स्प्रेयर, ट्रैक्टर माउनटिड स्प्रेयर का भी प्रयोग किया जा सकता है।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां : १. खाद्य सामग्री, खाद्य सामग्री के खाली बर्तन और पशुओं के चारे से दूर रखें। २. मुँह, त्वचा और आँखों के संपर्क से बचाएं। ३. छिड़काव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचाएं। हवा की दिशा में छिड़काव करें। ४. छिड़काव के बाद दूषित कपड़ों और शरीर के अंगों को अच्छी तरह धोएं। ५. छिड़काव के समय धूम्रपान, खाना, पीना और कुछ चबाना नहीं चाहिए। ६. छिड़काव करते या मिलाते समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपड़े पहनें।

पौध विशाक्तता : सुझाव की मात्रा के अनुसार प्रयोग करने पर यह कीटनाशक पौधविशाक्तत नहीं हैं।

विष के लछण: विरक्त, मायटोनिया, सांस लेने मे कठिनाई, कंपकपी, मांसपेशियो की ऐंठत हो सकते हैं ।

प्राथमिक चिकित्सा –१) यदि निगल जाए तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी कराए। यह क्रिया तब तक दोहराते रहें जब तक उल्टी द्वारा निकला पदार्थ साफ न हो जाय। यदि कोई मरीज बेहोश हो तो उल्टी न कराएं। २) यदि कपड़े और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपड़ों को उतार दें दूषित त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं। ३) यदि आँखें दूषित हो जाय तो उनको काफी मात्रा में सैलाइन/साफ पानी में लगभग १०–१५ मिनट तक धाएं। (४) यदि सांस द्वारा अंदर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जाएं।

विष नाशक : कोई विशिष्ट विष नाशक नहीं है। लक्षणानुसार इलाज करें।

खाली डिब्बों का निपटारा : १ . कीटनाशक निर्माताओं या उपयोग कर्ता का कर्तव्य हैं कि डिब्बों या पात्रों को तोडफोडकर आबादी से दूर जमीन में गाड देना चाहिये। २. प्रयोग किये गये डिब्बों को दुबारा प्रयोग के लिये बाहर खुला न छोडें। ३. डिब्बों या बची हुई कीटनाशक या धोवन का निपटारा इस प्रकार करें कि जिससे आसपास की चीजें, पीने का पानी विषैला न हो।

संग्रहण की शर्तें : कीटनाशक के डिब्बो के अलग अलग कमरो या आलमालियो मे जेकि अन्य कमरो तथा अलमारी से जिममे अन्य वस्तओ विशेषकर खाद्य पदार्थ या पशुआहार संग्रहित किए जाते है से दूर अन्य कमरो से दूर अलग कमरो में या आलमरियो में ताला चाबी में बंद रखें। २. जिन कमरो या आलमारियों में कीटनाशक का भण्डारण करना हो वह अच्छी तरह बना हुआ, सूखा, प्रकाशयुक्त हवादार व प्र्यापत लम्बा चौडा होना चाहिए। ताकि कीटनाशक भाप से वातावरण प्रदूषण होने का डर न हो।

रासायनिक संरचना

इमिडैक्लोप्रिड सक्रिय तत्व	: १७.१००% भार/भार
पेलिविनाइल पायरोलिडोन कोपोमिर	:१.००० भार/भार
नन आयोनिक दमल्सिफायर इथाक्सीलेटेड अलकाइल एराइल फिनाल डेरिवेटिव	: २.५०० % भार/भार
डाइमिथाइल सल्फोआक्साइड	: ३८.४०० % भार/भार
एन–मिथाइल पाइरोलिडान	: पर्याप्त मात्रा
योग	: १००.०० % भार/भार

ইমিডাক্লোপ্রিড ১৭.৮% এস.এল. (প্রণালীগত কীটনাশক)

সতর্কতা : লেবেল/লিফলেটে নির্দিষ্টকৃত ছাড়া অন্যান্য শস্যর জন্য ব্যবহার করা বারণ।

কিমিডাইমিডাক্লোপ্রিড 17.8% এসএল হলো একটি প্রণালীগত কীটনাশক যাতে সক্রিয় উপাদান ইমিডাক্লোপ্রিড আছে, বাকীটা হলো সহায়ক ও নিষ্ক্রিয় উপাদান। এটি বিভিন্ন ফসলের শত্রু চোষক ও অন্য ধরনের কিছু কীটপতঙ্গ নিয়ন্ত্রণ করার জন্য গাছের পাতায় স্প্রে করার জন্য ব্যবহৃত হয়।

সুপারিশ

শস্যসমূহ	কীটপতঙ্গের সাধারণ নাম	মাত্রাহেক্টর এ.আই. (গ্রাম)	প্রস্তুতি (গ্রাম)	জলে দ্রবণীয়তা (প্রতি লিটার)	শেষতম স্প্রে ও ফসল তোলার অন্তর্বর্তী সময়কাল (দিন হিসাবে)
তুলা	জাবপোকা, সাদামাছি, উচ্চিংড়ে, বজ্রমাছি	0.020-0.025	0.10-0.125	500-700	40
ধান	বিপিএইচ, ডাবলুবিপিএইচ, জিএলএইচ	0.020-0.025	0.10-0.125	500-700	40
আখ	উইপোকা	0.07	0.35	1875	45
আম	ফড়িং	0.4-0.8 গ্রামস্পাছ	2-4 মিলিস্পাছ	10	45
সূর্যমুখী	জাবপোকা, বজ্রমাছি, সাদামাছি	0.02	0.1	500	30
ওকরা	জাবপোকা, উচ্চিংড়ে, বজ্রমাছি	0.02	0.1	500	3
লেবুজাতীয়	লিফ মাইনার সিল্লা	0.01%	0.05%	গাছের আকার অনুযায়ী এবং গাছ সুরক্ষার উপকরণ	15
চীনাবাদাম	জাবপোকা, উচ্চিংড়ে	0.02-0.025	0.1-0.125	500	40
আঙুর	ফ্লীব্লিল	0.06-0.08	300-400 মিলি	1000	32

ব্যবহারের নির্দেশিকা: গাছ সুরক্ষার উপকরণ: হস্তচালিত ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ার বা ফুট স্প্রেয়ার ওথবা টড়াক্টরের উপর বসানো স্প্রেয়ার ব্যবহার করা যেতে পারে।

সতর্কতা : ১) খাদ্যদ্রব্য, খালি খাবারের ধারকপাত্র ও পশুখাদ্য থেকে দূরে রাখুন। ২) মুখ, চোখ ও চামড়ার সংস্পর্শে আসতে দেবেন না। ৩) স্প্রের ধোঁয়া যেন নাকে না যায়। বাতাসের গতিপথের অভিমুখে স্প্রে করুন। ৪) স্প্রে করার পর যদি জামাকাপড়ে বা শরীরের কিছু অংশে লেগে গিয়ে থাকে, তবে তা খুব ভালো ভাবে ধুয়ে নিন। ৫) স্প্রে করাকালীন ধূমপান ছাড়াও কোন কিছু পান করবেন না, কিছু খাবেন না বা চিবাবেন না। ৬) মেশানো ও স্প্রে করার সময় সম্পূর্ণ সুরক্ষাদায়ী পোশাক পড়ে নেবেন।

বিষক্রিয়ার লক্ষণ: বোধহীনতা, মায়োটনিয়া, কাঁপুনি, নিশ্বাস নিতে কষ্ট এবং পেশীর উপর নিয়ন্ত্রণ কমে যাওয়া।

প্রাথমিক চিকিৎসা : ১) গিলে ফেলে থাকলে গলার পিছন দিকটায় শুড়শুড়ি দিয়ে বমি করাবার চেষ্টা করতে হবে। এটা বার বার করতে হবে যতক্ষণ না সবটুকু বিষাক্ত পদার্থ বেরিয়ে যায়। রোগী অজ্ঞান হয়ে থাকলে বমি করাবার চেষ্টা করবেন না। ২) যদি জামাকাপড়ে বা শরীরের কিছু অংশে লেগে গিয়ে থাকে তবে পোশাক বদলে ফেলুন এবং চামড়ার যে অংশে লেগেছে তা প্রচুর সাবান ও জল দিয়ে ধুয়ে ফেলুন। ৩) যদি চোখে গিয়ে থাকে তবে ১০-১৫ মিনিট ধরে প্রচুর পরিমানে স্যালাইন বা পরিষ্কার জলের ঝাপটা দিন। ৪) যদি গন্ধ নাকে গিয়ে থাকে তবে রোগীকে খোলা হাওয়ায় নিয়ে আসতে হবে।

গাছের উপর টক্সিক প্রভাব: এই উৎপাদনটি ফাইটোটক্সিক নয় অর্থাৎ সুপারিশকৃত মাত্রায় ব্যবহার করলে গাছের বৃদ্ধির উপর ক্ষতিকর টক্সিক প্রভাব পড়ে না।

প্রতিষেধক: বিশেষ কোন প্রতিষেধক জানা নেই। উপসর্গ অনুযায়ী চিকিৎসা করতে হবে। অ্যালার্জি প্রতিরোধ করতে অ্যান্টিহিস্টামাইন দেওয়া যেতে পারে।

ব্যবহৃত ধারকপাত্রগুলির সুষ্ঠু বঃেদাবস্ত :1) খালি ধারকপাত্রগুলিকে ভেঙে ফেলে লোকালয় থেকে দূরে কোথাও পুঁতে ফেলতে হবে। 2) পুনরায় ব্যবহার রোধ করার জন্য ব্যবহৃত কীটনাশকের ধারকপাত্রগুলিকে বাইরে ফেলে রাখা যাবে না। 3) কীটনাশক প্যাকেট ধোয়া জল বা অতিরিক্ত দ্রব্যগুলিকে নিরাপদ উপায়ে সুষ্ঠু বন্দোবস্ত করা দরকার। এমনভাবে, যাতে পরিবেশ ও জল দূষণ রোধ করা যায়।

সংরক্ষণ কিভাবে করতে হবে : ১) অন্যান্য জিনিসপত্র রাখা আছে এমন জায়গা থেকে অনেক দূরে কীটনাশক সহ প্যাকেট তার পরিমান ও প্রকৃতি অনুযায়ী কোন অন্য বাড়িতে বা আলাদা ঘরে তালাচাবি দেওয়া অবস্থায় আলমারীর ভিতরে সংরক্ষণ করতে হবে। ২) যে ঘরে কীটনাশক মজুত করা হবে সেটির গঠন শক্তপোক্ত হওয়া চাই এবং সেটিকে শুকনো, ভালোভাবে আলোকিত, যথেষ্ট আলোবাতাস চলাচলকারী জায়গা সমন্বিত হতে হবে। বাস্পের মাধ্যমে বিষক্রিয়া প্রতিরোধ করার জন্য

রাসায়নিক গঠন-

ইমিডাক্লোপ্রিড এ.আই.	: 17.800 % w/w
নন আয়োনিক ইমালসিফায়ার: ইথোক্সিলেটেড অ্যালকাইল, অ্যারাইল ফেনল ডেরিভেটিভ	: 2.500 % w/w
পলি ভিনাইল পাইরোলোডিন কোপলিমার	: 1.000 % w/w
ডাইমিথাইল সালফোক্সাইড	: 38.400 % w/w
এন-মিথাইলপাইরোলিডন মোট	: Q S %
মোট	: 100.00% w/w

ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ ୧୭.୮% ଏସଏଲ (ବ୍ୟବସ୍ଥାଗତ କୀଟନାଶକ)

ସାବଧାନତା: ଏହି ଲେବଲ୍/ ଲିଫଲେଟ୍‌ରେ ବର୍ଣ୍ଣାଯାଇଥିବା ଶସ୍ୟ ବ୍ୟତୀତ ଅନ୍ୟ ଶସ୍ୟରେ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ।

ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ ୧୭.୮% ଏସଏଲ ହେଉଛି ଏକ ବ୍ୟବସ୍ଥାଗତ କୀଟନାଶକ ଯାହାକି ସକ୍ରିୟ ଉପାଦାନ ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ ଏବଂ ଅବଶିଷ୍ଟ ଆନୁସଂଗିକ ଓ ନିଷ୍କ୍ରିୟ ଉପାଦାନ ଧାରଣ କରେ। ଏହା ଶୋଷକ କୀଟ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ପାଇଁ ଓ ବିଭିନ୍ନ ଶସ୍ୟରେ ଅନ୍ୟ କେତେକ କୀଟ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ପାଇଁ ଫୋଲିଆର୍ ସ୍ପ୍ରେ ଭାବରେ ବ୍ୟବହୃତ ହୋଇଥାଏ।

ସୁପାରିଶ :

ଶସ୍ୟ	କୀଟର ସାଧାରଣ ନାମ	ମାତ୍ରା/ହେକ୍ଟର ଏ.ଆଇ. (ଗ୍ରାମ)	ପ୍ରସ୍ତୁତି (ଗ୍ରାମ)	ଜଳରେ ଦ୍ରବଣୀୟତା (ପ୍ରତି ଲିଟର)	ଶେଷତମ ସ୍ପ୍ରେ ଓ ଫସଲ ଅମଳ ମଧ୍ୟରେ ପ୍ରତୀକ୍ଷା ଅବଧି (ଦିନରେ)
ଆଖୁ	ଚୁଚୁ ବୋରର,				
ବରା	ଥାରିପ୍, ଧଳାମାଛି, ଜାସିଡ୍, ଥ୍ରୁସ୍	୦.୦୨୦–୦.୦୨୫	୦.୧୦–୦.୧୨୫	୫୦୦–୭୦୦	୪୦
ଧାନ	ବିପିଏଚ୍, ଡବଲୁବିପିଏଚ୍, ଜିଏଲଏଚ୍	୦.୦୨୦–୦.୦୨୫	୦.୧୦–୦.୧୨୫	୫୦୦–୭୦୦	୪୦
ଆଖ	ଉଇପୋକା	୦.୭୦	୩.୫	୧୮୭୫	୪୫
ଆମ	ଫଡ଼ିଂ	୦.୪–୦.୮ ଗ୍ରାମ/ବୃକ୍ଷ	୨–୪ ମିଲିଗ୍ରାମ/ବୃକ୍ଷ	୧୦	୪୫
ସୂର୍ଯ୍ୟମୁଖୀ	ଜାସିଡ୍, ଥ୍ରୁସ୍, ଧଳାମାଛି	୦.୦୨	୦.୧	୫୦୦	୩୦
ଭେଣ୍ଡି	ଥାରିପ୍, ଜାସିଡ୍, ଥ୍ରୁସ୍	୦.୦୨	୦.୧	୫୦୦	୩
ଲେମ୍ବୁ	ଲିଫ୍‌ମାଇନରସାଲା	୦.୦୧%	୦.୦୫%	ଗଛର ଆକାର ଏବଂ ବୃକ୍ଷ ସୁରକ୍ଷା ଉପକରଣ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି	୧୫
ଚିନାବାଦାମ	ଥାରିପ୍ ଜାସିଡ୍	୦.୦୨–୦.୦୨୫	୦.୧–୦.୧୨୫	୫୦୦	୪୦
ଆଙ୍ଗୁର	ଫ୍ଲି ବିଟିଲ୍	୦.୦୬–୦.୦୮	୩୦୦–୪୦୦ଲି	୧୦୦୦	୩୨

ବ୍ୟବହାର ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳି: ବୃକ୍ଷ ସୁରକ୍ଷା ଉପକରଣ, ହାତରେ ଚାଳିତ ନାପ୍‌ସାକ୍ ସ୍ପ୍ରେୟର କିମ୍ବା ଫୁଟ୍ ସ୍ପ୍ରେୟର ସୁପାରିଶ୍ କରାଯାଇଥାଏ ଏବଂ ଟ୍ରାକ୍ଟର ଉପରେ ମାଉଣ୍ଟ କରାଯାଇଥିବା ସ୍ପ୍ରେୟର ମଧ୍ୟ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇପାରେ।

ସାବଧାନତା: ୧. ଖାଦ୍ୟଦ୍ରବ୍ୟ, ଶୂନ୍ୟ ଖାଦ୍ୟଦ୍ରବ୍ୟ ପାତ୍ର ଏବଂ ପଶୁଖାଦ୍ୟଠାରୁ ଦୂରେଇ ରଖନ୍ତୁ। ୨. ମୁଖ, ଚକ୍ଷୁ ଏବଂ ତ୍ୱଚା ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଆସିବା ଏଡ଼ାନ୍ତୁ। ୩. ସ୍ପ୍ରେ ନିଶ୍ବାସରେ ଗ୍ରହଣକରିବା ଏଡାନ୍ତୁ। ବାୟୁ ପ୍ରବାହିତ ହେଉଥିବା ଦିଗରେ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ। ୪. ସ୍ପ୍ରେ କରିବା ପରେ ଶରୀରର ଅଂଶ ଓ ପ୍ରଦୂଷିତ ପୋଷାକ ଭଲଭାବରେ ଧୋଇଦିଅନ୍ତୁ। ୫. ସ୍ପ୍ରେ କଲା ବେଳେ କିଛି ଖାଆନ୍ତୁନାହିଁ, ପିଅନ୍ତୁ ନାହିଁ, ଧୂମପାନ କରନ୍ତୁ ନାହିଁ କିମ୍ବା ଚୋବାନ୍ତୁ ନାହିଁ। ୬. ଗୋଳାଇଲା ବେଳେ ଏବଂ ସ୍ପ୍ରେ କଲା ବେଳେ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ସୁରକ୍ଷାତ୍ମକ ପୋଷାକ ପିନ୍ଧନ୍ତୁ।

ବିଷାକ୍ତ ପ୍ରଭାବର ଲକ୍ଷଣଗୁଡ଼ିକ: ଆପାଥୀ,ମାୟୋଟୋନିଆ, ଟ୍ରେମର ନିଶ୍ବାସ ନେବାରେ କଷ୍ଟ ହେବା, ମାୟୋଜାଳମ୍ ଘଟିପାରେ।

ପ୍ରାଥମିକ ଚିକିତ୍ସା: ୧.ଯଦି ଗିଳି ଦେଇଥାନ୍ତି ତଣ୍ଟି ପଛପଟେ ଗଦଗଦ କରି ବାନ୍ତି କରାନ୍ତୁ। ପରିଷ୍କାର ବାନ୍ତି ହେବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏହା ବୋହରାନ୍ତୁ। ଯଦି ରୋଗୀ ଅଚେତ ହୋଇଯାଇଥାନ୍ତି ତେବେ ବାନ୍ତି କରାନ୍ତୁନାହିଁ। ୨. ଯଦି ପୋଷାକ ଏବଂ ତ୍ୱଚା ପ୍ରଦୂଷିତ ହୋଇଯାଇଥାଏ, ପୋଷାକ ବାହାର କରିଦିଅନ୍ତୁ ଏବଂ ପ୍ରଦୂଷିତ ପୋଷାକକୁ ଯଥେଷ୍ଟ ପରିମାଣର ସାବୁନ ଓ ପାଣିରେ ଧୋଇ ଦିଅନ୍ତୁ। ୩. ଯଦି ଚକ୍ଷୁ ପ୍ରଦୂଷିତ ହୋଇଛି, ଯଥେଷ୍ଟ ସାଲାଇନ୍/ ପରିଷ୍କାର ପାଣି ପ୍ରାୟ ୧୦ରୁ ୧୫ ମିନିଟ୍ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଛାଟନ୍ତୁ। ୪. ଯଦି ନିଃଶ୍ୱାସରେ ଗ୍ରହଣ କରିଛନ୍ତି, ରୋଗୀଙ୍କୁ ତାଜା ପବନକୁ ବାହାର କରି ଆଣନ୍ତୁ।

ଜୀବଜନ୍ତୁର ପ୍ରତି ବିଷାକ୍ତତା: କ୍ଷେତ ପାଇଁ ସୁପାରିଶ୍ ଅନୁଯାୟୀ ବ୍ୟବହାର କଲାବେଳେ ଏହି ଉତ୍ପାଦ ଜୀବଜନ୍ତୁର ପ୍ରତି ବିଷାକ୍ତ ହୋଇନଥାଏ।

ବିଷନାଶକ: କୌଣସି ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ବିଷନାଶକ ବିଷୟରେ ଜଣାନାହିଁ। ଲକ୍ଷଣ ଅନୁଯାୟୀ ଚିକିତ୍ସା କରନ୍ତୁ। ଆଲର୍ଜି ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ପାଇଁ ଆଣ୍ଟିହିଷ୍ଟାମିନ୍ ଦିଆଯାଇପାରେ।

ବ୍ୟବହୃତ ପାତ୍ର ନିଷ୍କେପଣ: ୧. ଶୂନ୍ୟପାତ୍ରଗୁଡ଼ିକ ଭାଙ୍ଗି ଜନବସତି ଠାରୁ ଦୂରରେ ପୋତି ଦିଆଯିବ । ୨. ବ୍ୟବହୃତ ପ୍ୟାକେଜ୍‌ଗୁଡ଼ିକର ପୁନଃବ୍ୟବହାର ପ୍ରତିହତ କରିବା ପାଇଁ ଏହା ବାହାରେ ଛାଡ଼ିଦିଆଯିବ ନାହିଁ । ୩. ପରିବେଶ ଓ ଜଳ ପ୍ରଦୂଷଣ ପ୍ରତିହତ କରିବା ପାଇଁ ପ୍ୟାକେଜ୍ କିମ୍ବା ବଳକା ସାମଗ୍ରୀ ଓ ଧୋଇବାଗୁ ବାହାରିଥିବା ପାଣି ସୁରକ୍ଷିତ ଭାବରେ ନିଷ୍କେପଣ କରିବା ହେଉଛି ପରିଚାଳନାକାରୀ ଏବଂ କୀଟନାଶକ ପ୍ରସ୍ତୁତିକାରୀ, ଉତ୍ପାଦନକାରୀଙ୍କର ଦାୟିତ୍ୱ।

ସଂରକ୍ଷଣ ସ୍ଥିତି: ୧.କୀଟନାଶକ ଧାରଣ କରିଥିବା ପ୍ୟାକେଜ୍‌ଗୁଡ଼ିକ କୀଟନାଶକର ପ୍ରକୃତି ଓ ପରିମାଣ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି ପୃଥକ୍ କୋଠରୀରେ କିମ୍ବା ପରିସରରେ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଜିନିଷ ସାଇତି ରଖିବା ପାଇଁ ବ୍ୟବହୃତ କୋଠରୀ କିମ୍ବା ପରିସର ଠାରୁ ଦୂରରେ ପୃଥକ ଆଲ୍‌ମିରାରେ ତାଲାଚାବି ପକାଇ ରଖାଯିବ। ୨. କୀଟନାଶକ ରାଖିବା ରଖିବା ପାଇଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ କୋଠରୀ କିମ୍ବା ପରିସର ସୁଗଠିତ, ଆଲୋକିତ, ଉତ୍ତମ ବାୟୁଚଳାଚଳ ବିଶିଷ୍ଟ, ଶୁଷ୍କ ଓ ଯଥେଷ୍ଟ ଆକାରର ହୋଇଥିବାବାଷ୍ପ ସହିତ ପ୍ରଦୂଷଣ ଏଡ଼ାଇବାପାଇଁ ।

ରାସାୟନିକ ଗଠନ:

ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ ଏ.ଆଇ.	: ୧୭.୮୦୦% w/w
ନନ୍ ଆୟୋନିକ୍ ଏମଲ୍ସିଫାୟର: ଇଥିକୋକ୍ସିଲେଟେଡ୍ ଆଲକାଲ୍, ଆରିଲ୍ ଫିନଲ୍ ଡେରିଭେଟିଭ୍ସ	: ୨.୫୦୦% w/w
ପଲିଭିନାଇଲ୍ ପାଇରୋଲିଡନ୍ କୋପଲିମର୍	: ୧.୦୦୦% w/w
ଡାଇମିଥାଇଲ୍ ସଲଫୋକ୍ସାଇଡ୍	: ୩୮.୪୦୦% w/w
ଏନ୍- ମିଥାଇଲ୍ ପାଇରୋଲିଡନ୍	: Q S %
ସମୁଦାୟ	: 100.00% w/w

ఇమిడాక్లోప్రిడ్ 17.8% యస్.ఎల్ (అంతర్వాహక కీటకనాశని)

హెచ్చరిక : జతపరచిన కరపత్రములో పేర్కొన్న పైర్లపైనే ఈ మందును ఉపయోగించవలెను. మిగతాపైర్లపై ఉపయోగించరాదు.

ఇమిడాక్లోప్రిడ్ 17.8% యస్ఎల్ సక్రియ పదార్థంగా యున్నది. వివిధ రకాలైన పైర్లలోని రసం పీల్చు పురుగులను సమర్థవంతంగా అరికట్టు అంతర్వాహక కీటకనాశని.

శిఫారసులు:

పైర్లు	కీటక సాధారణ నామము	మోతాదు / హెక్టారుకు స.ప (గ్రా.)	పౌడ్రుకు ఫార్ములేషన్ డ్రావణం (గ్రాములో)	నీటిలో పలుచన (లీటర్లు)	చివరివాడకం మరియు కోత మధ్య వ్యవధి సమయము (రోజులలో)
ప్రత్తి	పేనుబంక తెల్లదోమ పచ్చదోమ తామర పురుగులు	0.020 -0.025	0.10 -0.125	500 -700	40
వరి	సుడిదోమ తెల్లపీపుదోమ మిడతలు	0.020 0.025	0.10 -0.125	500 -700	40
చెరకు	చెదపురుగులు	0.07	0.35	1875	45
మామిడి	తేనె మంచు పురుగు	0.4 -0.8గ్రా చెట్టు	2 -4 చెట్టు	10	45
ప్రొద్దు తిరు గుడు	పచ్చదోమ తామర పురుగులు, తెల్లదోమ	0.02	0.1	500	30
బెండ	పేనుబంక పచ్చదోమ తామర పురుగులు	0.02	0.1	500	3
నిమ్మ జాతి	ఆకుతొల్చు పురుగు	0.01%	0.05%	చెట్టుదశను బట్టి మరియు స్ప్రేయరు పై	15
వేరు శనగ	పేనుబంక పచ్చదోమ	0.02- 0.025	0.1 0.125	500	40
గ్రాక్	ఫ్లీ బీటిల్	0.06- 0.08	300- 400మి.లీ.	1000	32

సూచనలు: యంత్రపరికరములు: నాప్‌సాక్ స్ప్రేయరు, ఫుట్ స్ప్రేయరు లేదా ట్రాక్టరు మౌంటెడ్ స్ప్రేయరు వంటివి వుపయోగించవలెను.

ముందు జాగ్రత్తలు : 1. ఆహార పదార్థాలు , ఖాళీ వంట సామగ్రి మరియు పశువుల దాణాలకు, మేతకు దూరంగా దీన్ని ఉంచండి. 2. దీన్ని నోటికి, చర్మానికి అంటకుండా, కళ్ళలో పడకుండా జాగ్రత్త వహించాలి. 3. స్ప్రే ద్రావకపు పొగమందును పీల్చరాదు. పిచికారీని గాలివాటం చూసుకొనే పిచికారీ చేసుకోవాలి. 4. కలుషితమైన బట్టల్ని శరీరాన్ని శుభ్రంగా కడుక్కోవాలి 5. దీన్ని పిచికారీ చేసుకొనేటప్పుడు ఏదైనా తినడం, పొగపీల్చడం పొగాకు నమలడం లాంటి పనులేమీ చేయరాదు. 6. మిశ్రమాన్ని కలుపుకునేటప్పుడు మరియు పిచికారీ చేసుకునేటప్పుడు పూర్తిగా రక్షణ దుస్తుల్ని ధరించాలి.

విషలక్షణములు: న్యూనత, వణుకు, కండరాల కదలికలో స్తంభన, నెమ్మనొప్పి, శ్వాసలో ఇబ్బంది వంటివి కనబడతాయి.

ప్రథమ చికిత్స : 1. ఒకవేళ మ్రింగినట్లయితే, వాంతి చేయించాలి. వంతి పూర్తిగా చేయించాలి. రోగి స్పృహలో లేనట్లయితే వాంతి చేయించరాదు. లేదా నోటి ద్వారా ఏదైనా ద్రవపదార్థం ఇవ్వరాదు. 2. బట్టలు మరియు చర్మం కలుషితమైతే బట్టల్ని తీసివేసి వెంటనే సబ్బు నీరుతో శుభ్రంగా స్నానం చేయాలి. 3. ఒకవేళ ఇది కళ్ళలో పడితే మామూలు సెలైన్ బాటరీను 10 నుండి 15 నిమిషాల వరకు కళ్ళలో కొట్టుకుంటూ శుభ్రపర్చుకోవాలి. 4. ఒకవేళ లోనికి పీల్చినట్లయితే, వెంటనే రోగిని గాలి, వెలుతురు ఉన్నచోట ఉంచాలి.

విషత్వం : సూచింపబడిన మోతాదులో వుపయోగించిన హానికరం కాదు.

విరుగుడు: ప్రత్యేకమైనది ఏమీయులేదు. రోగి లక్షణములను బట్టి చికిత్స చేయండి.

ఖాళీ డబ్బాలను పారవేయుట : 1. ఖాళీ డబ్బాలను, మిగిలిపోయిన మందు, మరియు పరికరాలు కడుగగా వచ్చిన నీటిని కడు జాగ్రత్త పహిస్తూ అంటే పరిసరాలు, నీరు, నీటివనరులు కలుషితం కాకుండా సాపదుకుంటూ పారవేసుకోవాలి. 2. ఖాళీ డబ్బాలను తిరిగి ఏ విధంగానూ వాడరాదు గనుక వాటిని బయట అలా వదిలేయరాదు. 3. ఖాళీ డబ్బాలను పసుపలక్షణాలే మనుష్యసంచారానికి దూరంగా పాతిపెట్టాలి.

మందు నిల్వ : 1. కీటకనాశనులను కలిగి ఉన్న పేకేజ్‌లను విడిగదులు లేదా ప్రదేశాలలో, నిలవ చేయండి ఇతర పదార్థాలను నిలవ చేయడాన